सीबीएसई कक्षा-12 हिंदी कोर प्रश्न पत्र 2016
(सेट-1)

निर्धारित समय : 3 घंटे अधिकतम अंक: 100

सामान्य निर्देश:

* इस प्रश्न पत्र में **14** प्रश्न हैं |
* सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं |
* विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें |

खंड – 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (15)

संवाद में दोनों पक्ष बोलें यह आवश्यक नहीं | प्रायः एक व्यक्ति की संवाद में मौन भागीदारी अधिक लाभकर होती है | यह स्थिति संवादहीनता से भिन्न है | मन से हारे दुखी व्यक्ति के लिए दूसरा पक्ष अच्छे वक्ता के रूप में नही अच्छे श्रोता के रूप में अधिक लाभकर होता है |

बोलने वाले क हावभाव और उसका सलीका, उसकी प्रकृति और सांस्कृतिक-सामाजिक पृष्ठिभूमि को पल भर बता देते हैं | संवाद से संबंध बेहतर भी होते हैं और अशिष्ट संवाद संबंध बिगाड़ने का कारण भ बनता है | बात करने से बड़े-बड़े मसले, अंतर्राष्ट्रीय समस्याएँ तक हल हो जाती हैं | संवाद की सबसे बड़ी शर्त है एक-दूसरे की बातें पूरे मनोयोग से, संपूर्ण धैर्य से सुनी जाएँ | श्रोता उन्हें कान से सुने और मनसे अनुभव करें तभी उनका लाभ है तभी समस्याएँ सुलझने संभावना बढ़ती है और कम-से-कम यह समझ में आता है कि अगले के मन की परतों के भीतर है क्या ?

सच तो यह है कि सुनना एक कौशल है जिसमें हम प्रायः अकुशल होते हैं | दूसरे की बात काटने के लिए, उसे समाधान सुझाने के लिएह्य उतावले होते हैं और यह उतावलापन संवाद की आत्मा तक हमें पहुँचने नहीं देता | हम तो बीएस अपना झंडा गाड़ना चाहते हैं | तब दूसरे पक्ष को झुँझलाहट होती है | वह सोचता है व्यर्थ ही इसके सामने मुँह खोला | रहीम ने ठीक ही कहा था – "सुनि अठिलैहैं लोग सब, बाँटि न लैहैं कोय |" ध्यान और धैर्य से सुनना पवित्र आध्यात्मिक कार्य है और संवाद की सफलता का मूल मंत्र है |

लोग तो पेड़-पौधों से, नदी-पर्वतों से, पशु-पक्षियों तक से संवाद करते हैं | राम ने इन सबसे पूछा था – 'क्या आपने सीता को देखा ?" और उन्हें एक पक्षी ने ही पहली सूचना दी थी | इसलिए संवाद की अनंत संभावनाओं को समझा जाना चाहिए |

(क) उपर्युक्त अनुच्छेद का एक शीर्षक दीजिए | (1)

उत्तर- संवाद का महत्त्व / संवाद कौशल

(ख) 'संवादहीनता' से क्या तात्पर्य है ? यह स्थिति मौन भागीदारी से कैसे भिन्न है ? (2)

उत्तर- परस्पर बोलचाल न होना/वार्तालाप का अभाव | मौन भागीदार संवाद में चुपचाप शामिल होता है, संवाद को चुप रह कर सुनता है लेकिन संवादहीनता में संवाद स्थापित ही नहीं हो पाता |

(ग) भाव स्पष्ट कीजिए – "यह उतावलापन हमें संवाद की आत्मा तक नहीं पहुँचने देता |" (2)

उत्तर- संवाद की आत्मा – संवाद का मूल मंत्र या उद्देश्य | व बात को धैर्य पूर्वक सुने बिना, समझे बिना बोलने की उतावली/शीघ्रता संवाद की गंभीरता को नष्ट कर देती है |

(घ) दुखी व्यक्ति से संवाद में दूसरा पक्ष कब अधिक लाभकर होता है ? क्यों ? (2)

उत्तर- अच्छे श्रोता के रूप में | क्योंकि इससे वक्ता का मन हल्का होता है तथा उसकी आत्मीयता प्रकट होती है |

(ङ) सुनना कौशल की कुछ विशेषताएँ लिखिए | (2)

उत्तर- • धैर्यवान होना |

• मन से जुड़ना |

• दूसरों के अनुभवों का लाभ मिलना |

• आत्मीयता |

(च) हम संवाद की आत्मा तक प्रायः क्यों नहीं पहुँच पाते ? (2)

उत्तर- क्योंकि हम संवाद के बीच में बात काट देते हैं या फिर हम उसके समाधान सुलझाने माँ उतावलापन दर्शाते है |

(छ) रहीम के कथन का आशय समझाइए | (2)

उत्तर- दुख-दर्द को सार्वजनिक करने का लाभ नहीं होता | व दूसरे की परेशानी सुन कर मजाक बनाते है, उसे कम नहीं करते |

(ज) राम का उदाहरण क्यों दिया गया है ? (2)

उत्तर- • संवाद की अनंत संभावनाओं को समझाने के लिए |

• प्रकृति एवं पशु-पक्षियों से भी संवाद संभव है समझाने के लिए |

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (1 × 5 = 5)

सूख गई झील रसवंती
मिट्टी ही बची है नरम, साँवली, सहस्त्रों दुख-दरारवली
अब वे दिन याद आते हैं
इस किनारे से उस किनारे तक अछोर पानी और हवा
पुराने महलों से बातें करता, ढलता
पश्चिम का वर्षा सूर्य
झील तट के कंकाल पेड़ों पर
पछतावा करती बैठी होंगी चिड़ियाँ
स्त्रियाँ खिन्नमन घाटों से लौट रही होंगी |
आगे देखने वाले भद्रजन झील की मिट्टी बेचने आएँगे
आएँगे उनके देशी-विदेशी परिजन
शोकाकल झील तट वासियों को धीरज देने |

सूना है यहाँ गांधी की प्रार्थना सभा होगी
आएँगी सुब्बालक्ष्मी मीरा का पद गाने –
'हरि तुम हरो जन की पीर |'

(क) रसवंती कौन है ? क्यों सूख गई है ?
उत्तर- रसवंती एक झील है | क्योंकि जल के अभाव के कारण |

(ख) पहले उसका सौंदर्य कैसा रहा होगा ?
उत्तर- जल से भरी तथा हरे भरे, पेड़-पौधों वाले घाटों वाली |

(ग) पेड़ों को 'कंकाल' क्यों कहा गया ? चिड़ियों को क्या पछतावा है ?
उत्तर- पानी के अभाव में सूखे पेड़-पौधों के कारण | क्योंकि उन्हें हरे-भरे पेड़-पौधे नही दिख पाने का |

(घ) भद्रजन कौन हैं ? वे सुखी झील से भी कैसे लाभ कमा लेते हैं ?
उत्तर- शहरी-नागरिक व्यापारी | मिट्टी आदि संसाधनों को बेच कर धनार्जन |

(ङ) भाव स्पष्ट कीजिए : "स्त्रियाँ खिन्नमन घाटों से लौट रही होंगी |"
उत्तर- जल के अभाव में जलाधारित दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति न हो पाने के कारण |

खंड –'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर एक निबंध लिखिए : (5)
(क) सूखे के दुष्परिणाम
(ख) भारतीय समाज में नारी
(ग) धार्मिक सहनशीलता
(घ) सब पढ़ें – सब बढ़ें
उत्तर- किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित :
• प्रस्तावना/भूमिका और उपसंहार
• विषय-वस्तु
• भाषा की शुद्धता एवं प्रस्तुति

4. कुछ टी.वी. चैनल वैज्ञानिक चिंतन या तर्क के स्थान पर अंधविश्वास फैलाने वाले कार्यक्रमों का प्रसारण करते हैं | इनके दुष्प्रभावों की चर्चा करते हुए किसी समाचार पत्र को पत्र लिखकर इस प्रवृत्ति को रोकने का अनरोध कीजिए | (5)
अथवा
आप किसी पर्यटक स्थल भ्रमण के लिए गए किंतु वहाँ की अस्वच्छता देखकर खिन्न हुए इस पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उक्त स्थल के पर्यटन अधिकारी को एक पत्र लिखिए और सुधार का अनुरोध कीजिए |

उत्तर- • आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ

• प्रभावी विषय-वस्तु

• भाषा की शुद्धता, प्रवाह एवं लेख

5. निम्नलिखित प्रश्नों के सक्षिप्त उत्तर दीजिए: (1 × 5 = 5)

(क) इलैक्ट्रोनिक माध्यम की दो विशेषताएँ लिखिए |

उत्तर- • यथास्थिति का वर्णन |

• लाईव टेलीकास्ट की सुविधा |

(ख) संपादक के दो दायित्वों का उल्लेख कीजिए |

उत्तर- • संपादकीय लेखन

• समाचारों का संपादन |

(ग) संपादकीय का महत्त्व समझाइए |

उत्तर- समसामयिक घटनाओं के विश्लेषण द्वारा जन-चेतना लाना |

(घ) रेडियो माध्यम की भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए ?

उत्तर- • त्रुटि रहित शुद्ध भाषा |

• सरल और स्पष्ट भाषा का प्रयोग |

(ङ) मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ क्यों कहा जाता है ?

उत्तर- अन्य तीन स्तंभों पर नज़र तथा जन सामान्य को जागरूक करने के कारण |

6. 'चुनाव प्रचार का एक दिन' अथवा 'भीड़ भरी बस के अनुभव' विषय पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए | (5)

उत्तर- किसी एक फ़ीचर का लेखन –

• प्रभावी विषय – वस्तु

• प्रस्तुति

• भाषा की शुद्धता

7. 'जहाँ सोच, वहाँ शौचालय' अथवा 'मँहगाई' विषय पर एक आलेख लिखिए | (5)

उत्तर- किसी एक आलेख का लेखन –

• प्रभावी विषय – वस्तु

• प्रस्तुति

• भाषा की शुद्धता

खंड – 'ग'

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिखिए : (2 × 4 = 8)

तुम्हें भूल जाने की
दक्षिणध्रुवी अंधकार-अमावस्या
शरीर पर, चेहरे पर, अंतर में पालूँ मैं
झेलूँ मैं, उसी में नहा लूँ मैं
इसलिए कि तुम से ही परिवेष्टित आच्छादित
रहने का रमणीय उजेला अब
सहा नहीं जाता है |

(क) कवि के व्यक्तितग संदर्भ में किसे 'अमावस्या' कहा गया है ?

उत्तर- अपने प्रिय पात्र (तुम्हें) को भूल जाना |

(ख) 'अमावस्या' के लिए प्रयुक्त विशेषणों का भाव स्पष्ट कीजिए |

उत्तर- जिस प्रकार दक्षिण ध्रुव पर उजाला नहीं होता, वैसे ही कवि के हृदय में प्रिये के भूलने पर अंधकार | व दक्षिण ध्रुवी, दीर्घकालीन अंधकार |

(ग) 'रमणीय उजेला' क्या है और कवि उसके स्थान पर अंधकार क्यों चाह रहा है ?

उत्तर- यह अति निकटता, प्यार का संबंध निरंतर होने से वह ऊब गया हैम उससे मुक्ति चाहता है |
प्रिया से वियुक्त हो कर ही कर्म पथ पर अग्रसर होने की आकांक्षा |

(घ) 'तुम से ही परिवेष्टित आच्छादित' – यहाँ 'तुम' कौन है ? आप ऐसा क्यों मानते हैं ?

उत्तर- 'तुम' कवि की प्रिया/प्रेरणा पात्र है | कविता में प्रेम पात्र से कवि की निकटता |

अथवा

आखिरकार वही हुआ जिसका मुझे डर था
ज़ोर ज़बरदस्ती से बात की चूड़ी भर गई
और वह भाषा में बेकार घूमने लगी !
हारकर मैंने उसे कील कि तरह
उसी जगह ठोंक दिया |
ऊपर से ठीकठाक
पर अंदर से
न तो उसमें कसाव था
न ताकत !

(क) बात की चूड़ी मरने का भाव स्पष्ट कीजिए |

उत्तर- बात का निरर्थक होना/प्रभावहीन होना | व मूल भाव एवं सौंदर्य नष्ट होना |

(ख) 'बात को कील की तरह ठोंकना' क्या है ? ऐसा क्यों किया जाता है ?

उत्तर- अप्रासंगिक, अनुपयुक्त बात बार-बार करते रहना | प्रशंसा और वाहवाही पाने के लिए |

(ग) टिप्पणी कीजिए कि बात और भाषा परस्पर जुड़े होते हैं |

उत्तर- बात की अभिव्यक्ति का माध्यम भाषा |

भाषा प्रस्तुति में स्पष्टता, सरलता एवं अर्थवत्ता आवश्यक |

(घ) भाषा में कसाव न हो तो क्या परिणाम होगा ?

उत्तर- प्रभावहीन हो जाएगी तथा अर्थहीन हो जाएगी |

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (2 × 3 = 6)

प्रभु प्रलाप सुनि कान, बिकल भर बानर निकर |
आइ गयउ हनुमान, जिमि करुना महँ बीर रस ||

(क) काव्यांश के छंद का नाम और भाषा की एक विशेषता लिखिए |

उत्तर- छंद – सोरठा

विशेषता – अवधी लोक भाषा होने के कारण सुबोधता |

(ख) वानरों कि व्याकुलता का कारण स्पष्ट कीजिए |

उत्तर- • लक्ष्मण की मूर्च्छा |

• श्री राम का करुण विलाप |

• हनुमान द्वारा संजीवन बूटी लाने में देरी होना |

(ग) दूसरी पंक्ति में निहित अलंकार का नाम लिखकर उसका सौंदर्य स्पष्ट कीजिए |

उत्तर: • उत्प्रेक्षा अलंकार।

• करुण रस में वीर रस की उपस्थिति।

• सुन्दर कल्पना।

अथवा

कजरारे बादलों की छाई नभ छाया,
तैरती साँझ की सतेज श्वेत काया |
हौलेहौले जाती मुझे बाँध निज माया से |
उसे कोई तनिक रोक रक्खो |

(क) मानवीकरण के सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए |

उत्तर: • साँझ तेजस्विनी श्वेत-नारी रूप में प्रस्तुत।

• कजरारे बादलों का प्रतिबिम्ब मानवीय प्रतिच्छायाओं का प्रतिबिम्ब।

(ख) काव्यांश की भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए |

उत्तर: • कजरारे, साँझ, हौले-हौले जैसे सरल सुबोध शब्दों का प्रयोग।

• प्रवाहपूर्ण खड़ी बोली।

• प्रतीकात्मकता।

(ग) काव्यांश का बिंब-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए |

उत्तर: • आकाश में काले बादलों का छाया बिंब - दृश्य बिंब।

• तैरती साँझ का सौन्दर्य - दृश्य बिंब।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (3 + 3 = 6)

(क) 'कवितावली के आधार पर पुष्टि कीजिए कि तुलसी को अपने समय की आर्थिक-सामजिक समस्याओं की जानकारी थी |

उत्तर: • तुलसीदास ने अपने युग की विषमताओं, गरीबी, बेरोजगारी इत्यादि का वर्णन किया है।

• किसान, भिक्षुक, नौकर-चाकर, भाट, नट चोर इत्यादि सभी जीविका विहीन।

• दरिद्रता और बेरोजगारी के कारण समाज में अशांति। पेट की आग बुझाने के लिए लोग अपने बच्चों को बेचने पर मजबूर।

(ख) आशय स्पष्ट कीजिए – "मैं और, जंग और, कहाँ का नाता !"

उत्तर: • पहले 'और' में कवि स्वयं को आम व्यक्ति से भिन्न बताता है।

• दूसरे 'और' द्वारा वह अपना और विश्व का संबंध प्रतिपादित करता है।

• तीसरे 'और' द्वारा कवि अपने स्वभाव से शेष संसार के स्वभाव की भिन्नता प्रकट करता है।

(ग) 'शमशेर की कविता गाँव की सुबह का जीवंत चित्रण है |' पुष्टि कीजिए |

उत्तर: • राख से लीपा हुआ गीला चैका, काली सिल पर बिखरा लाल केसर।

• नीला जल, गोरी युवती की मखमली देह आदि उपमाओं द्वारा गाँव के सूर्योदय के सौंदर्य का जीवंत चित्रण।

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (2 × 4 = 8)

भक्तिन और मेरे बीच सेवक-स्वामी संबंध है, यह कहना कठिन है; क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया जो स्वामी से चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे | भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है जितना अपने घर में बारी-बारी से आने-जाने वाले अँधेरे-उजाले और आँगन में फूलनेवाले गुलाब और आम को सेवक मानना | वे जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते हैं, जिसे सार्थकता देने के लिए ही हमें सुख-दुख देते हैं, उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे जीवन को घेरे हुए है |

(क) भक्तिन और लेखिका का उदाहरण क्यों दिया गया है ? भाव स्पष्ट कीजिए |

उत्तर: महादेवी चाह कर भी उसे नहीं निकाल पातीं, और निकाले जाने का आदेश पा कर भी भक्तिन नहीं जाती थी। दोनों के बीच भावनात्मक संबंध।

(ख) प्रकाश -अंधकार का उदाहरण क्यों दिया गया है ? भाव स्पष्ट कीजिए |

उत्तर: • प्रकाश और अंधकार जीवन का अभिन्न अंग।

• प्रकाश अंधकार का संबंध स्वाभाविक है इसके बिना जीवन की कल्पना नहीं।

• भक्तिन और महादेवी भी एक दूसरे के बिना अपने जीवन की कल्पना नहीं कर पातीं।

(ग) गद्यांश के आधार पर महादेवी और भक्तिन के स्वभाव की एक-एक विशेषता सोदाहरण लिखिए |

उत्तर: • भक्तिन तर्कपटु है। प्रत्येक कार्य का औचित्य ठहरा देती है।

• महादेवी जी अत्यंत उदार, मानवतावादी और सहिष्णु थीं।

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए – "भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे व्यक्तित्व को घेर हुए है |"

उत्तर: • प्रकाश अंधकार या गुलाब आम का सा भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व।

• उसका व्यक्तित्व अपने वास्तविक रूप में महादेवी जी के जीवन को घेरे हुए।

अथवा

जब सफ़िया की बात खत्म हो गई तब उन्होंने पुड़िया को दोनों हाथों में उठाया, अच्छी तरह लपेटा और खुद सफ़िया के बैग में रख दिया | बैग सफ़िया को देते हुए बोले, "मोहब्बत तो कस्टम से इस तरह गुज़र जाती है कि कानून हैरान रह जाता है |" वह चलने लगी तो वे खड़े हो गए और कहने लगे, "जामा मस्जिद की सीढ़ियों को मेरा सलाम कहिएगा और उन खातून को यह नमक देते वक्त मेरी तरफ़ से कहिएगा कि लाहौर अभी उनका वतन है और दहेली मेरा, तो बाकी सब रफ़्ता-रफ़्ता ठीक हो जाएगा |"

(क) पुड़िया में ऐसा क्या थी जो कहानी बन गया ? संक्षेप में समझाइए |

उत्तर: • सफिया द्वारा सिख बीबी से लाहौरी नमक लाने का वायदा।

• लाहौर से नमक लाने या न लाने का द्वंद्व।

• कस्टम अफसर द्वारा प्रेम और सम्मानपूर्वक नमक ले जाने की अनुमति।

(ख) आशय समझाइए – 'जामा मस्जिद की सीढ़ियों को मेरा सलाम कहिएगा |'

उत्तर: • विभाजन के पश्चात भी जन्मभूमि से प्रत्येक व्यक्ति को लगाव होता है।

• कस्टम अफसर चाहे पाकिस्तान में रहने लगे। नौकरी करने लगे किंतु दिल से वह आज भी अपना वतन देहली को ही मानते हैं।

(ग) 'बाकी सबब रफ़्ता – रफ़्ता ठीक हो जाएगा' – पक्ष या विपक्ष में दो तर्क दीजिए |

उत्तर: समय बीतने के साथ सब घाव या बुरी स्मृतियाँ धीरे-धीरे समाप्त हो जाती हैं -

पक्ष-

• हाँ, वक्त के साथ-साथ भारत-पाकिस्तान की कटु स्मृतियाँ समाप्त हो जाएगी।

• व्यक्ति परिस्थितियों से समझौता करके जीवन की नई शुरुआत करता है और कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखता।

विपक्ष-

• बेशक समय बीत जाता है लेकिन मन के घाव, चोटें, विस्थापन आदि का दर्द या किसी भी प्रकार के नुकसान की क्षति पूर्ति संभव

नहीं होती।
• समय के साथ-साथ कटुता, दर्द आदि भी बढ़ते जाते हैं और मौका पा कर आतंक, दंगों या किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधियों के रूप में उभर जाते हैं।

(घ) नमक का लाना–ले जाना प्रतिबंधित होते हुए भी कस्टम अधिकारी ने अनुमति क्यों दे दी ? तर्कसम्मत उत्तर दीजिए |

उत्तर: • लेखिका की बात सुन कर कस्टम अधिकारी भावुक हो उठा।
• उसके हृदय में देश प्रेम जाग उठा।
• भावनाओं के समक्ष राजनीतिक निर्णय कमज़ोर पड़ जाते हैं।

12. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (3 × 4 =12)

(क) 'हाय, वह अवधूत आज कहाँ है !' लेखक ने यहाँ किसे स्मरण किया है ? क्यों ?

उत्तर: • शिरीष वृक्ष को।
• शिरीष तपन और लू के बीच विपरीत परिस्थितियों में भी सरस जीवंत हो कर भी फलता है।
• अवधूत जिस प्रकार मस्त, फक्कड़, अनासक्त होते हैं, वैसे ही शिरीष भी अनासक्त भाव से फलता-फूलता है और सुंदरता से सबका मन मोह लेता है।

(ख) डॉ. आंबेडकर ने जाति प्रथा को श्रम विभाजन का ही एक रूप क्यों माना है ?

उतर: • परम्परा से श्रम-विभाजन के आधार पर ही जाति-विभाजन।
• जाति प्रथा श्रम के साथ श्रमिक विभाजन भी करती है।
• अस्वाभाविक विभाजन सभ्य समाज में ऊँच-नीच की भावना आती है।

(ग) राजा साहबने लुट्टन को क्यों सहारा दिया था ? अंत में उसकी दुर्गति होने का क्या कारण था ?

उत्तर: • राजा साहब ने उसे सहारा दिया क्योंकि उसने चाँद नामक पहलवान को हराया और देश के सम्मान की रक्षा की।
• राजा की मृत्यु के पश्चात विलायत से लौटे राजकुमार ने पहलवान लुट्टन को दरबार से निकाल दिया।
• उसके पास जीवन यापन का कोई अन्य सहारा नहीं था।

(घ) 'काले मेघा पानी दे' पाठ में जीजी के 'अकाट्य तर्क' का उल्लेख कर उस पर अपने विचार लिखिए |

उत्तर: • जीजी ने पानी बिखेरने की बात को लेकर कहा था - 'कुछ पाने के लिए कुछ देना पड़ता है।' किसान जब पाँच-छह सेर गेहूँ बोता है तब तीस-चालीस मन गेहूँ उगता है।
• मैं इस तर्क से सहमत हूँ। प्रकृति का चक्र इसी आधार पर चलता है। मानव प्रकृति से एक हाथ लेता है और दूसरे हाथ देता है। यदि ऐसा न करे तो अव्यवस्था उत्पन्न हो जाए।
• सहमत नहीं। आज के वैज्ञानिक युग में यह सब अंधविश्वास और ढकोसला है।

(ङ) 'बाज़ारदर्शन' के आधार पर 'पैसे की व्यंग्य शक्ति' को सोदाहरण समझाइए |

उत्तर: • अनावश्यक खरीदारी जिसका उद्देश्य केवल दिखावा और दंभ प्रकट करना हो।
• आवश्यकता से अधिक खरीददारी

• जिससे कि दिखावा किया जा सके और दूसरों को प्रभावित किया जा सके।

• अपने धनवान और समर्थ होने का झूठा दिखावा।

13. महिलाओं के अधिकारों और जीवनशैली के बारे एन फ्रैंक के विचारों की समीक्षा जीवनमूल्यों के आधार पर कीजिए | (5)

उत्तर: • बालक को जन्म देना या न देना महिलाओं का अधिकार।

• उनका सम्मान सैनिकों की भाँति होना चाहिए।

• उनके अधिकारों का हनन नहीं होना चाहिए।

• महिलाओं ने अपनी ही नादानी के कारण उपेक्षा, कष्ट एवं असम्मान को सहन किया है।

• शिक्षित समाज में स्त्रियों की स्थिति पुरुषों से अच्छी है।

• औरत ही मानव जाति की निरन्तरता बनाए रखती है।

• नारी त्याग एवं ममता की मूर्ति है।

• वह कर्मशील रह कर अपनी सन्तान के लिए सर्वस्व दाँव पर लगा देती है।

14. (क) उन तथ्यों का उल्लेख कीजिए जो लेखक की इस मान्यता की पुष्टि करते हैं कि सिंधु घाटी सभ्यता समृद्ध तो थी परंतु उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था | (5)

उत्तर: • सिंधु सभ्यता साधन-सम्पन्न थी।

• सुनियोजित नगर।

• पानी की अच्छी व्यवस्था।

• सड़कें छोटी, चैड़ी लेकिन साफ-सुथरी।

• ताँबे, कांसे एवं मृदा के बने कलात्मक बर्तन।

• चैपड़ की गोटियाँ, ताँबे का दर्पण, कंघी, मनके का हार, सोने के गहने, सम्पन्नता सुरुचि के सूचक।

• कृषि, अन्न भंडार, बैलों एवं बैलगाड़ी के अवशेष।

• उनके मकान, गृहस्थी की सभी सुख-सुविधाओं से सम्पन्न स्वच्छ एंव सुरुचिपूर्ण, कलात्मक, सौंदयपूर्ण।

<u>इतना सब होने के बाद भी</u>

• भव्यता का, आडम्बर का, भव्य प्रासादों, मंदिरों का अभाव।

• मूर्ति शिल्प हेतु और छोटे औजारों की उपलब्धता।

• मकान छोटे-छोटे, कमरे भी छोटे-छोटे।

• राजाओं के मुकुट भी छोटे।

• नावें भी छोटी।

• प्रभुता या दिखावे के उपकरण कहीं दिखाई नहीं देते।

अतः सभ्यता साधन-सम्पन्न, कलात्मक एवं सुरुचिपूर्ण तो थी लेकिन आडम्बरयुक्त नहीं।

(ख) "यशोधर बाबू दो भिन्न कालखंडो में जी रहे हैं" – पक्ष या विपक्ष म सोदाहरण तर्क दीजिए | (5)

उत्तर: पक्ष-

• ग्रामीण एवं नगरीय परिवेश की तुलना करते समय बहुधा वे द्वंद्वात्मक मनःस्थिति के होते हैं।

• नए और पुराने के बीच संतुलन नहीं बिठा पाने का संघर्ष।

• उनके संस्कार और आदर्श वर्तमान शैली से मेल नहीं खाते।

विपक्ष-

• वे सिद्धांतवादी थे। सारा जीवन उन्हीं पर चलते रहे।

• आधुनिक जीवन-शैली को अपने पर हावी नहीं होने देते।

• उन्होंने कभी झूठ नहीं बोला। समय के पाबंद रहें।

• वे सादगी पसंद थे और जीवन भर उसका पालन भी किया।

• पैसे को कभी महत्व नहीं दिया। ईमानदारी की कमाई से संतुष्ट रहे।